

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

Ph.D(Hindi) -2023 Batch

I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	शोध प्रविधि और प्रक्रिया Shodh Pravidhi Aur Prakriya
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : 1 PHDHINRMC-700
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-----
Day/Time	Wenesday 2.00 pm to 4.000 pm
Name of the teacher/s	Prof. T.J. Rekha Rani (RR)
Course description	<p>Include the following in the course description</p> <p>a) शोध की उत्पत्ति 'जिज्ञासा' से होती है , जिज्ञासा की पूर्ति का स्रोत ज्ञान विज्ञान रहा है-, अनुसंधान इसका एक मात्र मार्ग है ।</p> <p>b) उद्देश्य :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जीवन की समस्याओं के लिए समाधान प्रस्तुत करना । ● बेहतर जीवन जीने की दिशा में पथ प्रदर्शन करना शोध का उद्देश्य है । ● नवीन खोज करने की प्रक्रिया है । ● नए और रचनात्मक परिणामों तक पहुंचना । ● अज्ञात का पता लगाना और नई संभावनाओं को खोजना शोध का मुख्य उद्देश्य है । <p>पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शोध पूर्वाग्रहों के निदान और निवारण में सहायक होता है । ● शोध प्रविधि, एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रविधि होती है जो अनुसंधान के लिए उपयोग मानी जाती है । ● शोध प्रक्रिया और शोध समस्या का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है, शोध के निष्कर्ष तक पहुँच सकते है । <p>इकाई -1</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शोध अर्थ परिभाषा और स्वरूप ,। ● शोध और आलोचना अन्तर्संबंध -। साम्य और वैषम्य । ● शुद्ध शोध और व्यावहारिक शोध अनुप्रयोगिक शोध/। ● शोध के प्रकार वैज्ञानिक साहित्येतर शोध ,साहित्यिक ,। साम्य और वैषम्य । <p>इकाई -2</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शोध के मूल तत्वा शोध के सोपाना विभिन्न विद्वानों के मत । ● साहित्यिक शोध के प्रकार एवं व्याख्या ।

	<ul style="list-style-type: none"> ● शोध की प्रक्रिया विषय निर्वाचन विषय के स्रोत। विषय ,समस्या का अनुकथन , चयन में निर्देशक की भूमिका । ● प्राक्कथन अथवा प्राक्कल्पना । <p>इकाई -3</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सामग्री संकलन। सामग्री चयन । सामग्री के प्रकार । सामग्री के स्रोत । ● सामग्री का वर्गीकरण । ● कार्ड निर्माण । ● शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण । शोध प्रबंध नियोजन । अध्यायीकरण । ● भूमिका और निष्कर्ष लेखन । ग्रंथानुक्रमणिका । पाद टिप्पणी लेखन । <p>इकाई -4</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भाषा वैज्ञानिक शोध ,तुलनात्मक शोध ,ऐतिहासिक शोध ,पाठानुसंधान , ● साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग ।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning <ul style="list-style-type: none"> ● शोध अर्थ परिभाषा और स्वरूप ,। ● सामग्री संकलन। सामग्री चयन । सामग्री के प्रकार । सामग्री के स्रोत । ● साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग ।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	<p>Essential reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्यिक अनुसंधान के आयाम : डॉ रवींद्र कुमार जैन.। ● साहित्यिक शोध के आयाम : डॉ .शशिभूषण सिंहल । ● अनुसंधान : डॉसत्येंद्र । <p>Additional reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह ● अनुसंधान के मूल तत्व : सं डॉ. विश्वनाथ प्रसाद केमं.एम .शी पी। ● शोध तंत्र और सिद्धांत : डॉ .शैलकुमारी । ● साहित्यिक शोध के सिद्धांत : डॉ. देवराज उपाध्याय । ● शोध प्रविधि और प्रक्रिया : डॉ. राजकुमार खण्डेलवाल । ● अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया : एस .एन.गणेशन । ● हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियाँ : डॉ .कैलाशनाथ मिश्र ।

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

Ph.D(Hindi) -2023 Batch

I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ Saahityaik Adhyayan Ke Dirshtiyān
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : 2 PHDHINRCC-701
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-----
Day/Time	Monday and Tuesday 2.00 am to 14.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini (PD)
Course description	<p>Include the following in the course description</p> <p>a) साहित्यिक प्रवृत्तियों, ऐतिहासिकताओं और संवेदनाओं के बदलावों को साहित्य के द्वारा समझाना ही इस प्रश्नपत्र का प्रमुख ध्येय है।</p> <p>b) उद्देश्य :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्येतिहास दर्शन सामान्य इतिहास दर्शन के समानान्तर होता है। ऐतिहासिक कार्यों को जानने में मदद मिलती है। ● साहित्य के इतिहास लेखन में अतीत को ठीक से परखने और समझने के लिए वर्तमान की सही समझ पैदा करना। ● साहित्य के इतिहास में कृतियों का मूल्यांकन कर पाएंगे तथा साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ को विकसित करना। <p>पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्य दर्शन की प्रमुख विशेषताओं से परिचित होंगे। ● साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का ठोस समाधान निकाल पायेंगे। ● साहित्येतिहास लेखन में उस सामाजिक संदर्भ का ध्यान रखना जिनमें साहित्य का प्रादुर्भूत हो पाया है। ● नए विचारों, वाद, आंदोलन आदि को समझने की क्षमता बढेगी। <p>इकाई -1</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी शोध का इतिहास ● इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन पद्धति ● साहित्य में इतिहास दृष्टि

	<p>इकाई -2</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शोध साहित्येतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत: विधेयवाद मार्क्सवाद और , संरचनावाद ● हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या और विभिन्न दृष्टियाँ ● काल विभाजन का आधार <p>इकाई -3</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्यिक प्रवृत्तियाँ का अंतर्संबंध ● सामाजिक परिवेश एवं सांस्कृतिक संदर्भ ● साहित्यिक इतिहास और आलोचना का परस्पर संबंध <p>इकाई -4</p> <ul style="list-style-type: none"> ● उत्तर आधुनिकतावादनव्य इतिहासवाद , ● साहित्येतिहास के दलित एवं नारीवादी परिप्रेक्ष्य
Course delivery	<p>Lecture/Seminar/Experiential learning</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी शोध का इतिहास ● काल विभाजन का आधार ● साहित्यिक प्रवृत्तियाँ का अंतर्संबंध ● उत्तर आधुनिकतावादनव्य इतिहासवाद ,
Evaluation scheme	<p>Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam</p>
Reading list	<p>Essential reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय ● साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय ● साहित्य का इतिहास – दर्शन : श्री नलिन विलोचन शर्मा <p>Additional reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी साहित्य का इतिहास - दर्शन : आनंदनारायण शर्मा ● इतिहास क्या है : ईकार.एच. ● भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा ● आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध : नित्यानंद तिवारी ● साहित्य का समाजशास्त्र : डॉनरेंद्र . ● (.सं)साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन : निर्मला जैन ● हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे ● हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथ : आचार्य रामचंद्र शुक्ल , , आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी रामस्वरूप चतुर्वेदी और बच्चन सिंह

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

Ph.D(Hindi) -2023 Batch

I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	भाषा और साहित्य के विविध आयाम Bhasha Saahitya ke Vivedh Aayaam
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course without changes
Course code	PAPER : 3 PHDHINRCC-702
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-----
Day/Time	Monday to Friday 9.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	All Supervisors of the Department
Course description	<p>Include the following in the course description</p> <p>a) इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत भाषा और हिंदी साहित्यकार /कवि) लेखक/ कथाकार/ आलोचक/ नाटककार/ पत्रकार (के विविध आयामों का अध्ययन अपेक्षित है ।</p> <p>b) उद्देश्य :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शोधार्थी अपनी रुचि के अनुसार किसी साहित्यकार को पढ़ेगा । ● साहित्यकार के योगदान को समझ पायेगा । ● साहित्यिक विधाओं के स्वरूप को समझेंगे। ● साहित्यकारों की प्रासंगिकता पर विचार विमर्श हो-सकेगा । <p>c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अपने पसंदीदा साहित्यकार को गहराई से जानने का मौका मिलेगा । ● साहित्यकार के साहित्यिक योगदान को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर प्राप्त होगा । ● रुचिकर साहित्यकार के अध्ययन से शोध कार्य करने में आसानी होगी-। शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया के आधार पर साहित्यकार को समझने में सहायता मिलेगी । <p>निम्नलिखित विषयों में से कोई एक</p> <p>(क) मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार (ख) आधुनिक चिंतन, साहित्य और साहित्यकार (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा (घ) संचार माध्यम और अनुवाद</p> <p>(क) मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मध्यकाल: समय, समाज और संस्कृति

- मध्यकालीन काव्यभाषा
- भक्तिकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भक्तिकाव्य और लोक जागरण
- भक्ति आंदोलन और हिंदी- प्रदेश
- रीतिकाल ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य
- श्रृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन श्रृंगार-काव्य
- रीतिकाल और मूल्य-बोध
- रीतिकालीन कवियों की सौंदर्य-दृष्टि
- रीतिकालीन काव्यशास्त्र परम्परा और विमर्श

(ख) आधुनिक चिंतन, साहित्य और साहित्यकार

- भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण ।
- आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, समकालीनता ।
- गाँधीवाद सत्य, अहिंसा और स्वराज, गाँधीवाद और हिंदी साहित्य ।
- अस्तित्ववाद और मनोविश्लेषणवाद ।
- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन आधार, साहित्य की सापेक्ष स्वायत्तता, अंतर्वस्तु और रूप का संबंध, साहित्य और यथार्थ ।
- अस्मितामूलक विमर्श-स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श और अन्य विमर्श : समस्याएं एवं सरोकार।
- अन्य अवधारणाएँ मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद, विखंडनवाद, संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, नव्य इतिहासवाद आदि ।

(ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

- भारत के भाषा-परिवार
- सस्यूर के भाषिक प्रतीक
- ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान
- चॉम्स्की का भाषा-चिंतन
- समाज और भाषा समाज : भाषा विज्ञान बनाम भाषा का समाजशास्त्र
- पिजिन और क्रियोल
- भाषा शिक्षण और भाषा
- हिंदी का जनपदीय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ
- हिंदी और आधुनिकीकरण

	<ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ <p>(घ) : संचार माध्यम और अनुवाद</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी ● संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी ● विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी ● चिह्नशास्त्रीय माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी ● ऐतिहासिक द्वंद्वात्मक एवं भौतिकवाद ● स्त्रीवादी अध्ययन की सैद्धांतिकी ● सांस्कृतिक अध्ययन की सैद्धांतिकी ● स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता ● लोकतंत्र और मीडिया ● सोशल मीडिया और हिंदी जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका
Course delivery	<p>Lecture/Seminar/Experiential learning</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार ● मध्यकालीन काव्यभाषा ● भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण । ● विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी ● संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
Evaluation scheme	Assignment 50 %, Presentation and Viva 50%
Reading list	<p>Essential reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल ● हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी ● भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास : रामविलास शर्मा ● महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा ● हिंदी भाषा का समाजशास्त्र : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव ● मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988) : जॉन बीथॉम्पसन . (पॉलिटी प्रेस) ● 2. टेलीविजन : रेमण्ड विलियम्स <p>Additional reading : संदर्भ ग्रंथ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह ● हिंदी साहित्य का अतीत -भाग 1-2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

● राधावल्लभ सम्प्रदाय सिद्धांत और साहित्य	:	विजयेन्द्र स्नातक
● मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्य-चेतना	:	डॉ. पूरनचंद टण्डन
● कृष्ण काव्य में लीला वर्णन	:	जगदीश भारद्वाज
● भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	:	मैनेजर पाण्डेय
● भक्तिकाव्य की भूमिका	:	प्रेमशंकर
● भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार	:	सं. गोपेश्वर सिंह
● रीतिकाव्य की भूमिका	:	नगेन्द्र
● सबाल्टर्न स्टडीज	:	रंजीत गुहा
● मध्यकालीन भारत एक आयाम	:	सं हरबंस मुखिया
● भारतीय चिंतन परंपरा	:	के. दामोदरन
● मध्यकालीन बोध का स्वरूप	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
● लोकजागरण और हिंदी साहित्य	:	रामविलास शर्मा
● रीतिकालीन रीतिकवियों का काव्य शिल्प	:	महेन्द्र कुमार
● हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल :	:	महेन्द्र कुमार
● आधुनिक भाषाविज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
● भाषा (हिंदी अनुवाद)	:	ब्लूमफील्ड
● भाषा और समाज	:	रामविलास शर्मा
● हिंदी भाषा इतिहास और स्वरूप	:	राजमणि शर्मा
● हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
● आधुनिक भाषाविज्ञान सहाय	:	कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज
● भाषाई अस्मिता और हिंदी	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
● ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	:	रामविलास शर्मा
● आधुनिक भाषाविज्ञान	:	राजमणि शर्मा
● भाषाविज्ञान की भूमिका	:	देवेन्द्रनाथ शर्मा
● आजीविका साधक हिंदी	:	डॉ. पूरनचंद टण्डन
● हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी	:	डॉ. पूरनचंद टण्डन
● ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया	:	पी.सी. चटर्जी
● जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा	:	जगदीश्वर चतुर्वेदी
● जनमाध्यम सैद्धांतिकी	:	सुधा सिंह
● भूमंडलीकरण और मीडिया	:	कुमुद शर्मा
● नया सिनेमा	:	विनोद भारद्वाज
● दूरदर्शन विकास से बाजार तक	:	सुधीश पचौरी

	<ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा ● जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य : जवरीमल्ल पारख ● संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स (अनु.) ● सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया ● संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पूरनचंद्र जोशी ● अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार, गोस्वामी (सं.) ● अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेन्द्र (सं.) ● अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा : सुरेश कुमार ● अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. हरीश सेठी ● 18. अनुवाद शतक (भाग 1.2) : डॉ. पूरनचंद टंडन
--	--